

प्रसाघारण

EXTRAORDINARY

भाग II-- लण्ड 3--- उपकाष्ट (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 227]

न है बिल्ली, शनिवार, मप्रेल 29, 1972/वैशास 9, 1894

No. 227]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 29, 1972/VAISAKHA 9, 1894

इस भाग में भिन्न पट्ट संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के कप में रखा जा सके ।

Suparate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th April 1972

- S.O. 327(E).—In exercise of the powers conferred by clause (2) of article 77 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Authentication (Orders and other Instruments) Rules, 1958, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Authentication (Orders and other Instruments) Third Amendment Rules, 1972.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Officer Gazette.
- 2. In rule 2 of the Authentication (Orders and other Instruments) Rules, 1958 after entry (4), the following entry shall be inserted, namely:—
 - "(4-A) in the case of orders and other instruments relating to the Ministry of Education and Social Welfare (Department of Social Welfare) by the Director in that Department; or"

[No. F.3/5/72-Public I.1

K. R. PRABHU, Jt. Secy.

गृह मंत्र:लय

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 29 मार्रैल, 1972

का॰ द्रा > 327(द्रा).—राष्ट्रपति, संविधाः के प्रनुच्छेद 77 के खण्ड (2) द्वारा प्रवत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रधिप्रमाणीकरण (द्यादेश घीर धन्य लिखित) नियम, 1958 में घीर घागे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम एतद्द्वारा बनाते हैं, प्रर्थात् :---

- (1) इन नियमों का नाम श्रधिप्रमाणीकरण (श्रादेश श्रौर श्रन्य लिखित) तृतीय संशोधन नियम, 1972 होगा ।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. ग्रधिप्रमाणीकरण (ग्रादेश ग्रीर ग्रन्य लिखित) नियम, 1958 के नियम 2 में, प्रक्रिक्ट (4) के पश्चाक्ष, निम्नलिखित प्रविध्टि ग्रन्तः स्थापित की जाएगी, ग्रथीत् :---
- "(4क) शिक्षा भीर समाज कल्याण मंत्रालय (समाज कल्याण विभाग) से संबंधित भावेशों भीर भन्य लिखतों के मामले में, उस विभाग के निदेशक द्वारा; या "

[सं०फा० 3/5/72-पब्लिक-1] क**्षा**ट० प्रभु, सं**युक्त** सचिव ।